

5

सं० 82 /IV(2)-श0वि0-11-92(सा0)/ 10

प्रेषक,

एस० राजू,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
शहरी विकास निदेशालय,  
देहरादून, उत्तरांचल।

शहरी विकास अनुभाग-2:

देहरादून, दिनांक- 17 फरवरी, 2011

विषय : मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा घोषित विकास योजना "मुख्यमंत्री निर्मल नगर पुरस्कार योजना" की वित्तीय, प्रशासनिक एवं व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र 697/श0वि0नि0/मु0नि0न0पु0/2010-11 दिनांक 13-1-2011 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से "मुख्यमंत्री निर्मल नगर पुरस्कार योजना" के अन्तर्गत पुरस्कार की धनराशि ₹ 140.00 लाख तथा अन्य अनुसांगिक व्ययों हेतु ₹ 10.00 लाख अवमुक्त करने की अपेक्षा की गयी है।

2- उक्त के क्रम में अवगत कराना है कि उपरोक्त योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार पुरस्कार की धनराशि ₹ 140.00 लाख तथा अन्य अनुसांगिक व्ययों हेतु ₹ 5.00 लाख दिये जाने का प्राविधान है।

3- अतएव इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि योजना के दिशा निर्देशों के अनुसार नगर निकायों को पुरस्कार हेतु ₹ 140.00 लाख तथा अन्य अनुसांगिक व्ययों हेतु ₹ 5.00 लाख, कुल ₹ 145.00 लाख को संगत मद से ₹ 125.00 लाख तथा संलग्न बीएम-15 में उल्लिखित बचतों के व्यावर्तन से ₹ 20.00 लाख, कुल ₹ 145.00 लाख (रुपये एक करोड़ पैंतालिस लाख) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन में रखे जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि आहरित कर आपके द्वारा पुरस्कृत की जाने वाली नगर निकायों को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- 2- योजना के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए पुरस्कृत की जाने वाली नगर निकायों का चयन किया जायेगा।

- 3- योजना के दिशा निर्देशों के अनुसार पुरस्कार की धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 4- व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुवल/उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा इसके क्रय में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देश मितव्ययिता के विषय में शासन के आदेश एवं तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 5- इस धनराशि का उपयोग दिनांक 31-3-2011 तक अवश्य कर लिया जाय।

4- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष-2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-13, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-03-उत्तरांचल शहरी स्थानीय निकाय सुधार प्रोत्साहन निधि-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशा०सं०-788/XXVII(2)/2011 दिनांक 24 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

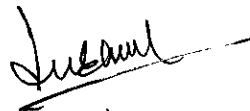
(एस० राजू)  
प्रमुख सचिव।

सं० 82 (1)/IV(2)-शा०वि०-11, तददिनांक।

प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-2/निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
- 6- गार्ड बुक।

आज्ञा से

  
(सुभाष चन्द्र)  
उप सचिव।

आय-व्ययक प्रपत्र-15  
शहरी विकास विभाग

पुनर्विनियोग-2010-11 आयोजनागत  
प्रशासनिक विभाग-शहरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन,

अनुदान संख्या-13  
(धनराशि हजार रुपये में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अभ्यावधि क व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरस्वत धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि को स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	अभिव्यक्ति
01	02	03	04	05	06	07	08
2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-02-मोहल्ला स्वच्छता समिति द्वारा अपशिष्ट प्रबन्धन-42-अन्य व्यय 2500	-	-	2500 (क)	2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-03-उत्तरायल शहरी स्थानीय निकाय सुधार प्रोत्साहन निधि-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता 2000 (ख)	14500	500	(क) प्रस्ताव प्राप्त न होने के कारण (ख) पुर्स्कार हेतु कम बजट प्राविधान होने के कारण।
योग - 2500	-	-	2500	2000	14500	500	

उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के प्रस्तर 151 से 155 के प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(एस0 राजु)  
प्रमुख सचिव।

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त विभाग  
संख्या- 788(A)/XXVII(2)/2011  
देहरादून : दिनांक- 24 जनवरी, 2011  
पुनर्विनियोग स्वीकृत

(एमसी0 जोशी)  
अपर सचिव, वित्त

संख्या- 82/V-श0वि0-11, तददिनांक।  
प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-  
1- महालेखकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।  
2- निदेशक, वित्त एवं लेखा सेवाएं, लक्ष्मी रोड, देहरादून।  
3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

अज्ञा से,  
(सुभाष चन्द्र)  
उप सचिव।